मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2021-23 /R.N.I. No. 2022007062

ग्रेप के पाखंड से लूट संभव है प्रदूषण नियंत्रण नहीं 2
भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया मंडियों का दौरा 4
'सुपर ऑटो' मालिकान ने मज़दूर की जान ले ली 5
फ़रीदाबाद प्रशासन अदालत का आदेश लागू कराने में नाकाम 6
राजा नाहर सिंह क्रिकेट स्टेडियम-एमसीएफ के बाद लूट की बारी एफएमडीए की 8

वर्ष 37 | अंक -48 | फरीदाबाद | 15-21 अक्टूबर 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

घोषणावीरों का राज : टीबी महामारी फैलाने की तैयारी

– साधारण टीबी की डॉट्स दवाएं भी बीते तीन माह से उपलब्ध नहीं

– विभाग को ही समय पर नहीं मिल रही दवाएं

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। औद्योगिक नगरी टीबी संक्रमण विस्फोट के मुहाने पर खड़ी है। वजह, यहां साधारण टीबी मरीजों के लिए बीते तीन महीने से दवाएं ही नहीं हैं। दवाएं नहीं मिलने से अनेक मरीजों का कोर्स पूरा नहीं हो सका है। कोर्स पूरा नहीं होने से ऐसे मरीजों के शरीर में बचे टीबी के बैक्टीरिया इन दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर चुके हैं। जिससे ये मरीज घातक एमडीआर टीबी का शिकार होकर अपने संपर्क में आने वाले लोगों को भी संक्रमित कर रहे हैं।

झूठ बोलने में माहिर घोषणावीर मुख्यमंत्री खट्टर ने 7 मार्च 2023 को हरियाणा को देश का पहला टीबी मुक्त प्रदेश बनाए जाने की घोषणा की थी। घोषणा तो कर दी लेकिन इसके लिए सभी टीबी केंद्रों पर जरूरी सुविधाएं और पर्याप्त मात्रा में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की। नतीजतन जिले में मरीजों की संख्या घटने के बजाय जून 2023 में 4488 से बढ़कर अक्तूबर 2023 में 6501 हो गई, यानी केवल चार महीने में लगभग डेढ़ गुना फीसदी मरीज बढ़ गए। इसका कारण बीते तीन माह से टीबी की दवाओं की कमी बताया जा रहा है।

भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार जिला क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम कार्यालय में बीते तीन माह से साधारण टीबी की दवाएं डॉट्स (डायरेक्टली ऑब्जर्व्ड ट्रीटमेंट शॉर्ट कोर्स) भी उपलब्ध नहीं हैं। ये दवाएं दो चरणों में दी जाती हैं। पहला चरण आईपी (इंटेंसिव फेज) दो महीने का होता है। इस दौरान मरीज को आईसोनियाजिड, रिफैंपिसिन, पायराजिनामाइड और इथामब्यूटॉल दवाएं दी जाती हैं। यह पहला चरण इतना महत्वपूर्ण है कि मरीज समय पर दवा ले इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के वालंटियर तैनात किए गए हैं। वे मरीज को रोज दवा खिलाने का रिकॉर्ड तैयार करते हैं। यदि पहले चरण में दवा एक दिन भी ब्रेक होती है तो पूरा कोर्स दोबारा शुरू करना पड़ता है। टीबी मामलों के जानकार कहते हैं कि यदि पहले चरण की दवाओं में 21 या उससे अधिक दिन का गैप हो गया तो बहुत संभव है कि मरीज के शरीर में मौजूद टीबी के कीटाणु (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस) रिफैंपिसिन और आइसोनियाजिड जैसी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लें यानी ये मरीज एमडीआर टीबी का शिकार हो सकते हैं।

खास बात यह है कि एमडीआर टीबी ग्रस्त मरीज दूसरों में भी एमडीआर टीबी का ही संक्रमण फैलाएगा यानी उससे संक्रमित मरीजों पर भी डॉट्स दवाएं बेअसर होंगी। मालूम हो कि टीबी के मरीज दो तरह के होते हैं पहले फेफड़े की टीबी के मरीज, इनसे संक्रमण सबसे ज्यादा फैलता है, दूसरे, आंतरिक अंगों की टीबी के मरीज यह ज्यादा घातक होते हैं लेकिन इनसे संक्रमण फैलने

शेष पेज तीन पर

सिर्फ जागरूकता फैलाने से नहीं खत्म होगी टीबी, दवाएं भी दो

बजबजाती कानून व्यवस्था से इंसाफ की उम्मीद नहीं

मुख्य हत्यारोपी को घटना के बारह दिन बाद भी नहीं गिरफ्तार किया गया

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) हमलावरों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी, उसकी बेटियों को पीटा, निर्वस्त्र कर अश्लील फोटो खींचीं, कमीशन खाऊ 112 एंबुलेंस का चालक घायल को सरकारी अस्पताल ले जाने के बजाय निजी अस्पतपाल पहुंचा आया और पुलिस मुख्य हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। पुलिस और सरकारी तंत्र की बजबजाती सच्चाई बताती यह घटना एक अक्तूबर को मंझावली गांव में अंजाम दी गई। मुख्य हत्यारोपी राकेश शर्मा गांव में खुलेआम युवकों से हत्या का आरोप अपने सिर लेने की सौदेबाजी कर रहा है, पुलिस जांच में बेगुनाह निकालने और कई लाख रुपये देने का ऑफर भी दे रहा है लेकिन पुलिस उस तक पहुंच नहीं पाई।

मूल रूप से गांव बहुवारा, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश की गुड़िया मंझावली

गांव स्थित भाटी फार्म हाउस में परिवार के साथ रहकर खेती-बाड़ी करती हैं। गुड़िया के मुताबिक 29 सितंबर को गांव के पूर्व सरपंच राकेश के परिवार के सदस्यों ने उनके खेत में अपने पशु चरने के लिए छोड़ दिए। पशुओं ने फसल बर्बाद की तो गुड़िया और उनके पति प्रभुनाथ ने विरोध किया। आरोप है कि तब राकेश ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने तुरंत ही थाने पर इंस्पेक्टर दलबीर को फोन कर घटना की सूचना दी और सुरक्षा मांगी लेकिन पुलिस ने एक न सुनी।

गांव के ही दिनेश कुमार का आरोप है कि 30 सितंबर की रात सरपंच राजेश उर्फ राजबीर और चेतन सहित करीब तीस लोगों की पंचायत हुई थी। इसमें राजेश उर्फ राजबीर और चेतन अगली सुबह प्रभुनाथ और उसके परिवार को रास्ते से हटाने की साजिश रच रहे थे। दिनेश का यह भी आरोप है कि चेतन बार बार यह दावा कर रहा था धर्मबीर एएसआई हम सबकी मदद करेगा जो कि यहीं तैनात है।

1 अक्तूबर की सुबह राकेश शर्मा उसके भाई राजेश शर्मा, रमेश, धनेश व भतीजे संदीप, कल्लू सहित सोनू, मोहित, गजेंद्र नवीन, कर्नल ओर कर्मबीर शर्मा सहित अन्य लोगों ने गुड़िया के परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने नाबालिग लड़कियों को पीटा, उन्हें निर्वस्त्र कर आपत्तिजनक फोटो खींचे। हमले में प्रभुनाथ, दो बेटियों, गुड़िया सहित परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने 112 एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए भिजवाया। आरोप है कि 112 एंबुलेंस का चालक घायल प्रभुनाथ को सरकारी अस्पताल न ले जाकर बल्लभगढ़ स्थित व्यापारिक सेंटर

शेष पेज दो पर